



Hargharpanditji



॥ महाशिवरात्रि की पूजा-विधि ॥

ॐ नमः शिवाय

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ महाशिवरात्रि की पूजा-विधि ॥

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा श्रद्धा, भक्ति और विधि-विधान से करने की परंपरा है। इस दिन व्रत रखने, शिवलिंग का अभिषेक करने, बेलपत्र अर्पित करने और “ॐ नमः शिवाय” मंत्र का जाप करने का विशेष महत्व माना जाता है।

महाशिवरात्रि पूजा की सामग्री

शिवलिंग या भगवान शिव की प्रतिमा

गंगाजल या स्वच्छ जल

दूध, दही, घी, शहद और शक्कर

बेलपत्र

धतूरा एवं आक के पुष्प

चंदन, अक्षत और पुष्प

फल एवं नैवेद्य

धूप, दीप और कपूर

मौली एवं वस्त्र, यदि परंपरा में हो

पूजा-विधि

प्रातः स्नान और संकल्प

सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को साफ करके भगवान शिव का ध्यान करें और अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत एवं पूजा का संकल्प लें।

भगवान शिव का अभिषेक

शिवलिंग को पहले स्वच्छ जल से स्नान कराएं। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक किया जा सकता है।

बेलपत्र और पुष्प अर्पित करें

शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, आक के पुष्प और अन्य सात्विक पुष्प अर्पित करें। बेलपत्र अर्पित करते समय “ॐ नमः शिवाय” का जाप करें।

पूजन और मंत्र-जाप

भगवान शिव को चंदन, अक्षत, धूप और दीप अर्पित करें। इसके बाद शिव पंचाक्षर मंत्र—

“ॐ नमः शिवाय”

का श्रद्धापूर्वक जाप करें। महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी किया जा सकता है।

शिव आरती और प्रार्थना

पूजा के अंत में भगवान शिव की आरती करें और अपनी मनोकामना के साथ सुख, शांति, सद्बुद्धि एवं परिवार के कल्याण की प्रार्थना करें।

रात्रि जागरण का महत्व

महाशिवरात्रि की रात्रि में भगवान शिव का ध्यान, मंत्र-जाप, भजन और शिव कथा सुनने की परंपरा है। श्रद्धालु रात में चार प्रहर की पूजा भी करते हैं। अपनी क्षमता और पारिवारिक परंपरा के अनुसार पूजा करना उचित है।

ध्यान रखें: पूजा की सामग्री और विधि अलग-अलग क्षेत्रों एवं परंपराओं में कुछ भिन्न हो सकती है। श्रद्धा और सात्विक भाव को पूजा का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है।